सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(इतिहास)

Chapter 2: राजा और उनके राज्य

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. जोड़े बनाओ:

गुर्जर-प्रतिहार	**पश्चिमी दक्कन**
राष्ट्रकूट	**बंगाल**
पाल	**गुजरात और राजस्थान**
चोल	**तमिलनाडु**

उत्तर:

गुर्जर-प्रतिहार	गुजरात और राजस्थान
राष्ट्रकूट	पश्चिमी दक्कन
पाल	बंगाल
चोल	तमिलनाडु

प्रश्न 2. 'त्रिपक्षीय संघर्ष' में लगे तीनों पक्ष कौन-कौन से थे?
उत्तर: 'त्रिपक्षीय संघर्ष, में लगे तीन पक्ष गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट और पाल थे जो कन्नौज पर नियंत्रण के लिए आपस मे लड़ते थे।

प्रश्न 3. चोल साम्राज्य में सभा की किसी समिति का सदस्य बनने के लिए आवश्यक शर्तें क्या थीं?
उत्तर: उत्तरमेरूर अभिलेख के अनुसार, चोल साम्राज्य में सभा की किसी समिति का सदस्य बनने के लिए आवश्यक शर्तें निम्नलिखित थी:
(i) वे भूमि का स्वामी होना चाहिए।
(ii) उनके पास अपना घर होना चाहिए।
(iii) उनकी उम्र 35 से 70 के बीच होनी चाहिए।
(iv) उन्हें वेदों का ज्ञान होना चाहिए।
(v) उन्हें प्रशासनिक मामलो की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और ईमानदार होना चाहिए।
(vi) वह पिछले तीन सालो में किसी समिति का सदस्य नहीं रहा हो।
(vii) जिसने अपने या अपने संबंधियों के खाते जमा नहीं कराए है, वह चुनाव नहीं लड़ सकता।

प्रश्न 4. चाहमानों के नियंत्रण में आनेवाले दो प्रमुख नगर कौन-से थे?
उत्तर: चाहमनों के नियंत्रण में आने वाले दो प्रमुख नगर इंद्रप्रस्थ और कन्नौज थे।

आइए समझें

प्रश्न 5. राष्ट्रकूट कैसे शक्तिशाली बने?
उत्तर : (i) आठवीं सदी के मध्य में एक राष्ट्रकूट प्रमुख दंतीदुर्ग ने अपने चालुक्य स्वामी की अधीनता अस्वीकार कर दी।
(ii) दंतीदुर्ग ने चालुक्य राजा को युद्ध में हरा दिया।
(iii) उसने 'हिरण्य गर्भ' अनुष्ठान भी करवाया, उसके बाद वह स्वयं को क्षत्रिय घोषित कर दिया।

प्रश्न 6. नये राजवंशों ने स्वीकृति हासिल करने के लिए क्या किया?
उत्तर: स्वीकृति हासिल करने के लिए नये राजवंशो ने ब्राह्मणों की सहायता से पवित्र अनुष्ठान किये, जैसे - राष्ट्रकूट प्रमुख, नीची जाती के दंतीदुर्ग ने हिरण्य गर्भ अनुष्ठान करवाया।

प्रश्न 7. तमिल क्षेत्र में किस तरह की सिंचाई व्यवस्था का विकास हुआ?
उत्तरः तमिल क्षेत्र में निम्न प्रकार की सिंचाई व्यस्था का विकास हुआ:

MUKULTclasses

(i) डेल्टा क्षेत्रों में खेतो तक पानी पहुचने के लिए नहरों का निर्माण किया |
(ii) कुछ क्षेत्रों में कुएँ खोदे गये |
(iii) अन्य स्थानों पर, वर्षा जल के संग्रहण हेतु बड़े-बड़े जलाशय बनवाये गये।

प्रश्न 8. चोल मंदिरों के साथ कौन-कौन सी गतिविधियाँ जुड़ी हुई थीं?
उत्तर: चोल मंदिरों के साथ निम्नलिखित गतिविधियाँ जुडी हुई थी:
(i) चोल मंदिर अक्सर अपने आस-पास विकसित होने वाली बस्तियों के केंद्र बन गये थे।
(ii) ये शिल्प-उत्पादन के केंद्र थे।
(iii) मंदिर सामाजि, आर्थिक, सांस्कृतिक, और धार्मिक गतिविधियों के केंद्र थे।
(iv) चोल मंदिरों में कांस्य प्रतिमाएँ भी लगे जाती थी।

आइए विचार करें

प्रश्न 9. मानचित्र 1 को दुबारा देखें और तलाश करें कि जिस प्रांत में आप रहते हैं, उसमें कोई पुरानी राजशाहियाँ (राजाओं के राज्य) थीं या नहीं?
उत्तर: छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 10. जिस तरह के पंचायती चुनाव हम आज देखते हैं, उनसे उत्तरमेरुर के 'चुनाव' किस तरह से अलग थे?
उत्तर: वर्तमान समय के पान्चायात चुनाव उत्तरमेरूर के चुनाव में अंतर:
वर्तमान समय के पंचायत चुनाव:
(i) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के द्वारा चुनाव
(ii) मतदाता अपने पंसद के उम्मीदवारों को मत देता हैं।

उत्तरमेरूर के चुनाव:
(i) लॉटरी पद्धति द्वारा विभिन्न समितियों के सदस्य चुने जाते थे।
(ii) चुनाव पूएँ रूप से प्रत्याशियों के भाग्य पर निर्भर था ।

आइए करके देखें

प्रश्न 11. इस अध्याय में दिखलाए गए मंदिरों से अपने आस-पास के किसी मौजूदा मंदिर की तुलना करें और जो समानताएँ या अंतर आप देख पाते हैं, उन्हें बताएँ।
उत्तर: छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 12. आज के समय में वसूले जाने वाले करों के बारे में और जानकारी हासिल करें। क्या ये नकद के रूप में हैं, वस्तु के रूप में हैं या श्रम सेवाओं के रूप में?
उत्तर: छात्र स्वयं करें।

MUKUTclasses